सामर्थ्य से परिस्थिति पर नियंत्रण

IIM में PM की आर्थिक सलाहकार समिति के सान्याल का मत

■ **नागपुर,** व्यापार प्रतिनिधि. आज विश्व में अनिश्चितता का वातावरण है. वैसे भी अनिश्चितता हरदम ही रही है. हर समय किसी न किसी प्रकार की समस्याएं रहीं हैं. विश्व में हमेशा किसी न किसी विषय को लेकर अनिश्चितता देखी गई है. प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजय सान्याल ने यह विचार व्यक्त किए. वे भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नागपुर में 'अनिश्चितता के दौरान नीति कैसे निर्धारित करें' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. कोरोना काल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अत्यंत कठिन और पेचीदा समय में भी केवल अनुमान के आधार पर नीति निर्धारित की गई.

पहला लॉकडाउन परिस्थिति का जायजा लेने के लिए : भारत सरकार ने पहला लॉकडाउन परिस्थिति का जायजा और बीमारी का रुख जानने के लिए किया. उन्होंने बताया कि इस बीच सरकार ने खामियों को जाना और उन पर नियंत्रण करना शुरू किया. आलोचनाओं के बावजूद सरकार ने सितंबर-अक्टूबर 2021 में धीरे-धीरे लॉकडाउन के प्रतिबंध कम करने शुरू किए. सान्याल ने बताया कि देशों की सरकारों की क्राईसिस सहन करने की क्षमता पर ही उस देश का भविष्य निर्भर रहा है. भारत इस महामारी से इसलिए बाहर निकला क्योंकि यहां की सरकार ने लचीलापन की नीति अपनाते हुए परिस्थिति का हिम्मत से मुकाबला किया. सफलता का मंत्र साझा करते हुए वे बोले की बुरे समय में फुर्ती से काम करते हुए बचाव किया जा सकता है. परिस्थिति का सही अवलोकन और उस पर तुरंत कार्य करने से ही अनिश्चितता से बाहर आ सकते हैं. आईआईएम के निदेशक डॉ. भिमराया मैत्री ने उनका स्वागत किया. आईआईएम के सीईओ मकरंद अलुर उपस्थित थे.